K-794

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-501

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास-01

MA Jyotish (MAJY-20)

1st Semester, Examination 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. वेदों में ज्योतिषशास्त्र के विविध तत्त्वों का प्रतिपादन करें।

2. ज्योतिषशास्त्र की आवश्यकता पर निबन्ध लिखें।

3. ज्योतिषशास्त्र की उत्पत्ति पर विस्तारपूर्वक निबन्ध लिखें।

4. होरास्कन्ध के किन्हीं दो आचार्यों का विस्तृत परिचय प्रदान करें।

5. ज्योतिषशास्त्र के इतिहास पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्त्तकों का परिचय दें।

2. ज्योतिषशास्त्र के पाँच स्कन्धों का परिचय दें।

3. ज्योतिषशास्त्र के संहितास्कन्धान्तर्गत विचारणीय विषयों का परिचय दें।

4. वेदाङ्ग ज्योतिष पर एक टिप्पणी लिखें।

5. रमलशास्त्र पर टिप्पणी लिखें।

6. सामुद्रिकशास्त्र पर टिप्पणी लिखें।

7. शकुनशास्त्र पर एक टिप्पणी लिखें।

8. ताजिकशास्त्र पर एक टिप्पणी लिखें।